राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - हिंदी
पाठ - 18 : कुटज
कार्यपत्रक - 18

1. 'कुटज' निबंध में प्रस्तुत मानव-मूल्यों का वर्णन कीजिए और सिद्ध कीजिए कि वे आज भी क्यों प्रासंगिक हैं?

2. कुटज की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन्हें आप महत्वपूर्ण मानते हैं।

3. 'जीना भी एक कला है। लेकिन कला ही नहीं एक तपस्या है।' पाठ के इस विचार को आप आज के युग में कितना प्रासंगिक मानते हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

4. व्यंग्य रचना दो पीढियो के द्वंद्व को प्रस्तुत करने में कहाँ तक सफल हुई है? स्पष्ट कीजिए।

5. इस पाठ के मुख्य संदेश 'अपराजेय जीवनी शक्ति' के बारे में आपकी क्या राय है? कारण सहित प्रस्तुत कीजिए।

6. 'कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता। मनस्वी मित्र, तुम धन्य हो।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

7. 'कुटज' की भाषा एवं शैली की कौन सी तीन विशेषतायें आपको प्रभावित करती हैं? उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

8. पाठ में ललित निबंध की पद्धति को अपनाते हुए अनेक प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया है। इस तथ्य को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

9. सिद्ध कीजिए कि द्विवेदी जी ने अपने निबंधों में जीवन के प्रश्नों को बेहतरीन रूप में प्रस्तुत किया है।

10. वर्तमान समाज की समस्याओं के समाधान के लिए आप कौन-कौन से सुझाव देना चाहेंगे? 'कुटज' के संदर्भ में उत्तर दीजिए।